Nishana®

Pyraclostrobin 20% WG (Fungicide)

Read Leaflet Before Use.

Pyraclostrobin 20% WG is a very effective fungicide used to control Early blight disease in Tomato. Frog eye leaf spot (Cercospora) & Alternaria leaf spot disease in Soybean, Alternaria leaf blight disease in Cotton. Turcicum leaf blight in Corn crops, Tikka disease in Groundnut, Anthracnose in Chilli and Sigatoka leaf spot in Banana.

Recommendation:

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA AI (grams)	Dosage/HA Formulation (grams)	Dilution in water (Liters)	Waiting Period between last spray to harvest (in Days)	Re-entry after each Application (In Hours)
Banana	Sigatoka leaf spot	150	750	500	103	-
Chilli	Anthracnose	100	500	500	3	-
Corn	Turcicum leaf blight	100	500	500	40	-
Cotton	Alternaria leaf blight	100	500	500	14	-
Groundnut	Tikka disease	100	500	500	29	-
Soyabean	Frog eye leaf spot (Cercospora) & Alternaria leaf spot	75-100	375-500	500	26	-
Tomato	Early Blight	75-100	375-500	500	3	-

Good Practices relating to pesticide application techniques

Direction of Use: Measure out required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified through agitation and spray with knapsack sprayers or high volume sprayers.

Weather Condition (in general): Should be applied preferably in the morning and evening. Avoid applications under high wind. There should not be any rainfall at least within 5 hours of application.

Soil & Water (where ever applicable): This is foliar application fungicide. So, hardly have any relation to soil.

Crop Stage for application: Preventive application before the first symptoms of disease observed.

Application Technique: The product can be sprayed with High and low volume sprayers. It can be applied by Manual and tractor mounted Sprayer equipped with hollow cone nozzle using sufficient quantity of water to ensure thorough coverage.

Equipment Type: High and low volume sprayers. Manual and tractor mounted Sprayer.

Nozzle Type: Hollow cone nozzle.

Dosage: Please refer recommendation table.

Instruction for Mixing: Please see " direction of use".

Re-entry Period: 24 hours

Manner and Time of Application: Preventive application before the first symptoms of disease observed.

Application Timing: The product can be applied as prophylactic. Should be applied preferably in the morning and evening.

Frequency: 2-3 sprays depending upon disease pressure.

Stages during which pesticides should not be applied on any crop: Not to be applied during crop maturity and just before crop harvest.

Precautions to be taken to avoid harm to the beneficial insects like honey bees and natural enemies of pests: 1. Toxic for fish and other aquatic animals. Therefore, aquaculture should not be used near aquaculture. 2. Spread ??for bees. Therefore, should not be used during active foraging of bees.

Symptoms Of Poisoning: The early symptoms may be any combination of nausea, vomiting. Eye and skin irritation may occur.

First Aid: In case of skin contact remove contaminated clothes immediately. Wash the contaminated skin thoroughly with soap and water. If inhaled, keep patient calm, remove to fresh air. In case of eye contact wash affected eyes for at least 15 minutes under running water with eyelids held open. In case of ingestion, rinse mouth immediately and then drink plenty of water. Seek medical attention.

Antidote: There is no specific antidote. Treat the patient symptomatically.

Phytotoxity: Not phytotoxic at recommended dosage.

Storage Conditions: 1. The package containing the fungicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of fungicide. 2. The rooms or premises meant for storing the fungicide shall be well built, airy, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Safety Precaution: 1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of spillage or splashes. Do not mix with bare hands. 2. The user should use full protective clothing, which includes rubber gloves, boots, face shield and overall or rubber apron or hat. 3. Keep away from foodstuffs, empty foodstuffs containers and animal food.

Disposal of used containers, washing from equipment and surplus material: 1. It shall be the duty of manufacture, formulators of insecticides and operations to dispose packages or surplus material and washings in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. The packages shall be broken and buried away from habitation.

Chemical Composition:

S.No	Ingredient	Description	Weight
1	Pyraclostrobin : active ingredients		20.00% w/w
2	Precipitated silicic acid		20.60% w/w
3	Ammonium sulfate		20.00% w/w
4	Sodium Lignosulfonate		18.00% w/w
5	Sodium salt of condensation product of Naphtalenesulfonic acid with formaldehyde		11.00% w/w
6	Mixture of sodium alkylcarboxylate and sodium allylnaphalene sulfonate		0.20% w/w
7	Sodium salt : tallow fatty acid		0.50% w/w
8	Aluminium silicate : Kaolin		QS %w/w
		Total :	100.00% w/w

Cautionary Statement : Not to be used for any purpose and crops other than those subscribed on label and leaflets. Destroy the container after use as directed on leaflet.

" DANGEROUS TO RE USE EMPTY CONTAINER "

Manufactured & Marketed by: **GHARDA CHEMICALS LIMITED**
Regd. Office: Gharda House, 48 Hill Road, Bandra (W), Mumbai - 400 050.
Factory : Industrial Growth Centre, Phase II, Samba, (J&K)-184121

निशाना

पायरक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्ल्यूजी (फफूंदीनाशक)

इस्तेमाल से पहले संलग्न पत्रिका पढ़े ।

पायरक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्ल्यूजी टमाटर में आर्केक झौसा रोग, सोयाबीन में छोटाइई लीफ स्पॉट (सरकोस्पोरा रोग)ोन), आल्टरनारीया पर्ण दाग, ममांग में आल्टरनारीया पर्ण दाग, मक्का में टर्सीकम लीफ ब्लाइट, मूंगफली में टिक्का रोग, मिर्ची में एन्थ्रेकनोज रोग और केला में सिगाटोका पर्ण दाग रोग की रोकथाम के लिए किया जाता है।

उपयोग

फसल	कीट के नाम	प्रति हेक्टेयर मात्रा एआइ (ग्रा.)	प्रति हेक्टेयर मात्रा फॉर्मुलेशन (ग्रा.)	पानी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिनों में)	पुन: प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
केला	सिगाटोका पर्ण दिखे	१५०	७५०	१००	१०३	-
मिर्च	ऐन्थ्राक्नोज	१००	५००	१००	३	-
मक्का	टर्सीकम लीफ ब्लाइट	१००	५००	५००	४०	-
कपास	आल्टरनारीया पर्ण दाग	१००	५००	५००	१४	-
मूंगफली	टिक्का रोग	१००	५००	५००	२९	-
सोयाबीन	फ्रोगआई लीफ स्पॉट (सरकोस्पोरा सोजीना) एवं आल्टरनारीया पर्ण दाग	७५-१००	३७५-५००	५००	२६	-
टमाटर	आर्केक झौसा	७५-१००	३७५-५००	५००	३	-

कीटनाशक अनुप्रयोग तकनीकों से संबंधित अच्छे अभ्यास:

उपयोग के लिए निर्देश: दवा की मापी हुई मात्रा का थोड़े से पानी में घोलें। फिर एक घिलोड़क की मदद से पानी की निर्धारित रकी मात्रा को इसमें अच्छी तरह मिला दें।

मौसम की स्थिति (सामान्य): सुबह और शाम के समय इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर होता है। जब तेज हवा चल रही हो तो छिड़काव करने से बचें।

मिट्टी और पानी: यहाँ फफूंदनाशक का पत्ती छिड़काव किया जाता है। इसलिए मिट्टी से इसका तकरीबन कोई रिश्ता नहीं है।

फसल अवस्था: रोग के शुरुआती लक्षण नजर आने से पहले बचावकारी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अपयेन तकनीक: इस दवा का छिड़काव उच्च तथा कम वॉल्यूम वाले स्प्रेयर्स के जरिए किया जा सकता है। इसका छिड़काव मैन्युअल तथा ट्रैक्टर पर लगे स्प्रेयर गैन से सही कोन नोजल के जरिए किया जा सकता है, पर्याप्त मात्रा में पानी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए ताकि पूरी फसल को कवर किया जा सके।

उपकरण प्रकार: छिड़काव उच्च तथा कम वॉल्यूम वाले स्प्रेयर्स, मैन्युअल तथा ट्रैक्टर पर लगे स्प्रेयर गैन।

नोजल प्रकार: होली कोन नोजल

सुरक्षा: कृपया अनुशंसित तालिका देखें।

मिश्रण के लिए निर्देश: कृपया 'उपयोग के निर्देश' देखें।

पुन: प्रवेश अवधि: 24 घंटे

अपयेन का समय और समय: रोग के शुरुआती लक्षण नजर आने से पहले बचावकारी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अपयेन का समय: दवा का इस्तेमाल प्रोफायलेक्टिक के रूप में किया जा सकता है। सुबह और शाम के लाभ छिड़काव करना ज्यादा बेहतर होता है।

अधिक से अधिक अंक सहित अवृत्ति: बीमारी की स्थिति के अनुसार २-३ छिड़काव।

चरम जिसके दौरान किसी भी फसल पर कीटनाशक नहीं लगाया जाना चाहिए: फसल पकने पर और फसल काटने से ठीक पहले उपयोग न करें।

सहज की मक्खियों और कीटों के प्राकृतिक दुश्मनों जैसे लाभकारी कीड़ों से नुकसान से बचने के लिए बचाये जाने वाली सावधानियां: 1. मछली और अन्य जलीय जीवों के लिए विषाक्त। इसलिए एकाक्वल्चर के पास इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। 2. मधुमक्खियों के लिए विषाक्त। इसलिए, मधुमक्खियों के सक्रिय फोरेजिंग अवधि के दौरान उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

विष के लक्षण: आरंभिक लक्षणों में उबकाई, उल्टी का कोई भी संयोग हो सकता है। आँख व त्वचा में झुँझलाहट हो सकती है।

पाचन आविषचूसन: सिफारिश की गयी मात्रा के अनुसार पौध विषाक्त नहीं है।

प्राथमिक उपचार: त्वचा के संपर्क में आने पर दूषित कपड़े तुरंत निकालें। साबुन और पानी से दूषित त्वचा अच्छे से धोएँ। यदि सूँघ लिया हो तो रोगी को ताजी हवा में ले जाएँ। आँख में पड़ने पर बहते पानी में पुतलियों चौतरफ कम से कम १५ मिनट तक अपलित आँखें खोलें। निगलने पर तुरंत मुँह धोएँ और ढेर सारा पानी पिएँ। डॉक्टरी सलाह दें।

विष नाशक: कोई विशिष्ट विष निवारण नहीं है। मरीज का लक्षणानुसार उपचार करें।

संग्रहण की शर्तें: 1. फफूंदनाशक युक्त पैकेज को अन्य वस्तुओं खासकर खाद्य पदार्थ रखने के लिए प्रयुक्त कमरों या अलमारी से दूर अलग कमरों या अलमारी में रखना चाहिए या उसे मात्रा और फफूंदनाशक के स्वरूप के अनुसार पर अलग अलमारी में ताला और चाबी रखना चाहिए। 2. फफूंदनाशक के भंडारण हेतु प्रयुक्त कमरा या अहाते सुव्यवस्थित, हवादार सुनियोजित और खुले हुए होने चाहिए ताकि वाष्प से प्रदूषण टाला जा सके।

सुरक्षा के लिए चाक्षावानियाँ: 1. घोल बनाते समय रिसाव या छींटों से साँस में लेना और त्वचा के संपर्क टालें। खुले हाथों से न मिलाएँ। 2. उपयोगकर्ता को पूर्ण सुरक्षात्मक पोशाक पहननी चाहिए जिसमें शामिल है रबर दस्ताने, बूट, नकाब और स्वर एपन या हैट। 3. खाद्य पदार्थों, खाली खाद्य पदार्थों के कंटेनर और जानवरों के भोजन से दूर रहें।

कीटनाशक के प्रयोग किये गए डिब्बों, बचे हुई कीटनाशकों तथा पात्रों के धोवन का निपटान: 1. यह कीटनाशकों के निर्माताओं, ऑपरेटरों और फॉर्मूलेटर की कर्तव्य होगा कि पर्यावरणीय या जल प्रदूषण को रोकने के लिए एक सुरक्षित तरीके से पैकेज या अधिशेष सामग्री और धोवन का निपटान करें। 2. उपयोग किये हुए पैकेज को खुले में ना छोड़े ताकि उनका पुनरुपयोग ना किया जा सके। 3. पैकेज को तोड़ कर जमादी से दूर जमीन के निचे गाड़ दें।

रासायनिक संरचना

क्रमांक	घटक	विवरण	वजन
१	पायरक्लोस्ट्रोबिन: सक्रिय घटक		२०.००% भार/भार
२	प्रिसिपिटेटिड सिलिसिक एसिड		२०.६०% भार/भार
३	अमोनियम सल्फेट		२०.००% भार/भार
४	सोडियम लिग्नोसल्फेट		१८.००% भार/भार
५	फार्मलडिहाइड के साथ नाफथालीन सल्फोनिक एसिड के घनीभवन उत्पाद का सोडियम सॉल्ट		११.००% भार/भार
६	सोडियम अल्काइलकार्बोक्सिलेट और सोडियम अल्काइलनाफथालीन सल्फोनेट		०.२०% भार/भार
७	सोडियम सॉल्ट : टैलो वसी एसिड		०.५०% भार/भार
८	एल्यूमिनियम सिलिकेट: केओलिन		पर्याप्त मात्रा % भार/भार
		कुल	१००.००% भार/भार

चाक्षावानियाँ समाप्त: लेबल और पत्रक पर जो वर्णित है, उससे भिन्न उद्देश्य या उपयोग के लिए नहीं। पात्रक के निर्देशानुसार उपयोग के पश्चात आधान को नष्ट करें।

" खाली कंटेनर का दोबारा उपयोग करना खतरनाक है । "

निर्माता और विक्रेता: **घरडा केमिकल्स लिमिटेड**
पंजी. कार्यालय: घरडा हाउस, ४८, हिल रोड, बांद्रा (प), मुंबई - ४०० ०५०.
फैक्टरी: इन्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेन्टर, फेज २, साम्बा, जम्मू-काश्मिर - १८४१२१.

निशाना

पायरक्लोस्ट्रोबिन २०% डब्ल्यूजी (बुरशीनाशक)

वापरण्यापूर्वी माहिती पत्रक वाचा.

पायरक्लोस्ट्रोबिन २०% डब्ल्यूजी हे टोमेटोमील रुग्वायीच्या उष्मायोत अँथ्रक्स, सोयाबीनच्या पानवर बैडल्या डोळयासारखे डाग (सर्कोस्पोरा) व अल्टर्नेरिआ पानचट्टा रोग कापसाच्या पानांवरचा अॅलाय रोग, मकावरचा पानांवरचा टर्सिकम ब्लाइट रोग, भुईमुगाचा चट्टया रोग, मिरचीवरील ढाताई रोग आणि केळीच्या पानांवरचा पानचट्टा रोग नियंत्रित करण्यासाठी वापरले जाणारे अतिशय प्रभावी बुरशीनाशक आहे.

शिफारिशर :

पीक	रोगाचे नावे	प्रति हेक्टर प्रमाण सक्रिय तत्व (ग्राम)	प्रति हेक्टर प्रमाण चरचना (ग्राम)	पाण्याची मात्रा (लिटर)	शेवटच्या फवारणी आणि पीकाच्या काढणीत (दिवस)	एका प्रवेशाची सलामती प्रत्येक फवारणी नंतर (तास)
केळी	सिगाटोका पानावरील ठिपका	१५०	७५०	१००	१०३	-
मिरची	ऐन्थ्राक्नोज	१००	५००	५००	३	-
मक्का	टर्सीकम पर्ण करपा	१००	५००	५००	४०	-
कपासी	आल्टरनेरिया पर्ण करपा	१००	५००	५००	१४	-
भुईमुग	टिक्का रोग	१००	५००	५००	२९	-
सोयाबीन	गडकुळाचे पर्ण डाग (सरकोस्पोरा सोजीना) एवं आल्टरनारीया पानावरील ठिपके	७५-१००	३७५-५००	५००	२६	-
टोमॅटो	घाटभोवा करपा	७५-१००	३७५-५००	५००	३	-

कीटनाशक वापरण्याच्या तंत्राशी संबंधित चांगल्या पद्धती:

वापराचे निर्देश

उत्पादनाची आवश्यक मात्रा मोजा आणि थोडेसे पाणी चांगले मिसळा, निर्देशानुसार ढवळत असताना उरलेले निर्दिष्ट पाणी घाला आणि नॅपसॅक स्प्रेअर किंवा हाइ वोल्यूमच्या स्प्रेअरने फवारणी करा.

हवामानाची स्थिती (सर्वसामान्यपणे): शक्यतो सकाळ-संध्याकाळ फवारणी करावी. जोरदार हवा चालली असताना फवारणी टालावी. फवारणी केल्यानंतर किमान ५ तासांच्या आत पाऊस पडू नये.

माती व पाणी (जिथे लागू असेल तेथे): हे बुरशीनाशक आहे. त्यामुळे मातीशी फारसा संबंध नसतो.

फवारणीसाठी लागवडीची पीक अवस्था: रोगाची पहिली लक्षणे दिसण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक वापर.

फवारणीचे तंत्र: उत्पादनावर उच्च व कमी प्रमाण असलेल्या स्प्रेअरने फवारणी करता येते. संपूर्ण पिकांची व्यापी सुनिश्चित करण्यासाठी पुरेशा प्रमाणात पाण्याचा वापर करून पोकळ कोन असलेल्या नॉझलने सुराव्ह. मॅन्युअल आणि ट्रॅक्टरवर बसवलेल्या स्प्रेअरद्वारे हे फवारणे जास्त शक्यते.

उपकरणाचा प्रकार: छिड़काव उच्च तथा कम वॉल्यूम वाले स्प्रेयर्स, मैन्युअल तथा ट्रैक्टर पर लगे स्प्रेयर गैन।

नॉझल प्रकार: होली कोन नोजल

सुरक्षा: कृपया अनुशंसित तालिका देखें।

मिश्रण के लिए निर्देश: कृपया 'उपयोग के निर्देश' देखें।

पुन: प्रवेश अवधि: २४ घंटे

अपयेन का समय और समय: रोग के शुरुआती लक्षण नजर आने से पहले बचावकारी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अपयेन का समय: दवा का इस्तेमाल प्रोफायलेक्टिक के रूप में किया जा सकता है। सुबह और शाम के लाभ छिड़काव करना ज्यादा बेहतर होता है।

अधिक से अधिक अंक सहित अवृत्ति: बीमारी की स्थिति के अनुसार २-३ छिड़काव।

चरम जिसके दौरान किसी भी फसल पर कीटनाशक नहीं लगाया जाना चाहिए: फसल पकने पर और फसल काटने से ठीक पहले उपयोग न करें।

सहज की मक्खियों और कीटों के प्राकृतिक दुश्मनों जैसे लाभकारी कीड़ों से नुकसान से बचने के लिए बरती जाने वाली सावधानियां : 1. मछली और अन्य जलीय जीवों के लिए विषाक्त। इसलिए एकाक्वल्चर के पास इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। 2. मधुमक्खियों के लिए विषाक्त। इसलिए, मधुमक्खियों के सक्रिय फोरेजिंग अवधि के दौरान उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

विषाची लक्षणे: सुरुवातीची लक्षणे मळमळ उलट्यांचे कोणतेही संयोजन असू शकतात. डोळ्यांची आणि त्वचेची जळजळ होऊ शकते.

फायटोटॉक्सिटी: शिफारस केलेल्या डोसवर फायटोटॉक्सिक नाही.

प्रथमोपचार: त्वचेच्या संपर्कात आल्यास, दूषित कपडे तात्काळ काढून टाका. दूषित त्वचा साबाणने आणि पाण्याने पूर्णपणे धुवा. श्वास घेतल्यास, रुग्णाला शांत ठेवा, ताजी हवेत काढा. डोळ्यांच्या संपर्कात आल्यास, बाधित डोळे वाहत्या पाण्यान धुवा, कमीत कमी १५ मिनिटे उघडा, जर गिळले असेल तर लगेच तोंड स्वच्छ धुवा आणि नंतर भरपूर पाणी प्या. वैद्यकीय सल्ला घ्या.

विषनाशक: कोणताही विशिष्ट विषनिवारक नाही. रुग्णावर लक्षणानुसार उपचार करा.

स्टोरेज अटी: १) बुरशीनाशक असलेली पॅकेजेस इतर वस्तूपासून, विशेषत: अन्न साठवण कक्ष किंवा क्षेत्रापासून दूर वेगळ्या खोल्यांमध्ये साठवून ठेवावीत. २) बुरशीनाशक साठवण्यासाठी असलेल्या खोल्या किंवा परिसर चांगल्या प्रकारे बांधलेले, चांगल्या प्रकाशमान व हवेशीर आणि बाष्पाने दूषित होऊ नये म्हणून पुरेशा प्रमाणात आकारात असावेत.

वापरकर्त्यांसाठी खबरदारी: १) द्रावण तयार करताना गळती किंवा स्प्लॅशेसपासून आत श्वास घेणे टाळा आणि त्वचेशी संपर्क टाळा, उघड्या हातांनी मिसळू नका. २) वापरकर्त्याने स्वरूपे हातमोजे, बूट, मास्क आणि रबर रैन्ग किंवा टोपी यासह संपूर्ण संरक्षणात्मक कपडे घालावेत.३) खाद्यपदार्थ, रिकाम खाद्यपदार्थांचे डबे आणि जनावरांच्या अन्नापासून दूर रेवा.

रिलाग्या उव्यांची विल्हेपाट: १) पॅकेजेस किंवा अतिरिक्त साहित्य आणि मशीन व कंटेनरची वॉशिंग सुरक्षित पद्धतीने विल्हेवाट लावावी जेणेकरून पर्यावरण आणि जल प्रदूषित होणार नाही. २) वापरलेले पॅकेज त्यांचा पुन्हा वापर टाळण्यासाठी उघड्यावर सोडले जाऊ नये. ३) पॅकेजेस ताडून लोकवस्तीपासून दूर जमिनीखाली गाडून टाका.

रासायनिक संरचना :

क्रमांक	घटक	वर्णन	वजन
१	पायरक्लोस्ट्रोबिन : सक्रिय घटक		२०.००% व/व
२	"प्रिसिपिटेटेड सिलिसिक ऍसिड		२०.६०% व/व
३	अमोनियम सल्फेट		२०.००% व/व
४	सोडियम लिग्नोसल्फेट		१८.००% व/व
५	फार्मलडिहाईडसह नाफथालीन सल्फोनिक ऍसिडचा संकेपण उत्पादनाचे सोडियम सॉल्ट		११.००% व/व
६	सोडियम अल्काइलकार्बोक्सिलेट आणि सोडियम अल्काइलनाफथालीन सल्फोनेट चे मिश्रण		०.२०% व/व
७	सोडियम सॉल्ट : टेलो वेटी ऍसिड		०.५०% व/व
८	ॲल्युमिनियम सिलिकेट : काओलिन		पुरेसे प्रमाण % व/व
		एकूण :	१००.००% व/व

चेतावणी देणारे विधान: १. लेबल आणि पत्रकांवर शिफारस केलेल्या व्यतिरिक्त इतर कोणत्याही कारणासाठी वापरू नये. २. पत्रकानुसार सांगितल्याप्रमाणे कंटेनर वापरल्यानंतर नष्ट करा.

" रिकामे कंटेनर पुन्हा वापरणे धोकादायक आहे."

निर्माता व विक्रेता: **घरडा केमिकल्स लिमिटेड**
एम. आय. एडीसी: घरडा हाउस, ४८, हिल रोड, बांद्रा (प), मुंबई - ४०० ०५०.
फैक्टरी : इन्डस्ट्रीयल ग्रोथ सेन्टर, फेज-२, साम्बा (जम्मू- काश्मिर)-१८४१२१.

निशाना

पायरक्लोस्ट्रोबिन २०% डब्ल्यूजी (फुगनाशक)

वापरतां पहेलां पत्रिका वांचो.

पायरक्लोस्ट्रोबिन २०% डब्ल्यूजी चे टामेटामधे लवकर येणाऱ्या डाग रोग, सोयाबीनमधे पानांवर बैडल्या आंखाचा जैसा ठाव (सेरकोस्पोरा) व अल्टर्नेरिआ पानचट्टा रोग कापसाच्या पानांवरचा अॅलाय रोग, मकावरचा पानांवरचा टर्सिकम ब्लाइट रोग, भुईमुगाचा चट्टया रोग, मिरचीवरील ढाताई रोग आणि केळीच्या पानांवरचा पानचट्टा रोग नियंत्रित करण्यासाठी वापरले जाणारे अतिशय प्रभावी बुरशीनाशक आहे.

भलामण:

पाक	जंतुनं सामान्य नाम	डोज प्रति हेक्टर सक्रिय पदार्थ (ग्राम)	डोज प्रति हेक्टर फॉर्मुलेशन (ग्राम)	पाण्याचा मात्रा (लिटर)	अंतिम फवारणी आणि पीकाच्या काढणीत (दिवस)	एका प्रवेशाची सलामती प्रत्येक फवारणी नंतर (तास)
केळ	सिगाटोका पाडदाग डाग	१५०	७५०	१००	१०३	-
मरचूं	सेन्थ्राक्नोज	१००	५००	५००	३	-
मकाई	टर्सीकम पाडदाग अंगमारी	१००	५००	५००	४०	-
कपासी	आल्टरनेरिया पाडदाग अंगमारी	१००	५००	५००	१४	-
मगडाळी	टिक्का रोग	१००	५००	५००	२९	-
सोयाबिन	(ब्लाऊ ऑफस, पोडदाग ब्लाइट (सेरकोस्पोरा) आणि आल्टरनेरिया पाडदाग व्यापारी	७५-१००	३७५-५००	५००	२६	-
टामेटा	वाळुंचे अंगमारी	७५-१००	३७५-५००	५००	३	-

कीटनाशकांच्या वापराच्या तंत्राशी संबंधित चांगल्या पद्धती:

वापराचे निर्देश

उत्पादनाची आवश्यक मात्रा मोजा आणि थोडेसे पाणी चांगले मिसळा, निर्देशानुसार ढवळत असताना उरलेले निर्दिष्ट पाणी घाला आणि नॅपसॅक स्प्रेअर किंवा हाइ वोल्यूमच्या स्प्रेअरने फवारणी करा.

हवामान (सामान्यपणे): शक्यतो सकाळ-संध्याकाळ फवारणी करावी. जोरदार हवा चालली असताना फवारणी टालावी. फवारणी केल्यानंतर किमान ५ तासांच्या आत पाऊस पडू नये.

माती व पाणी (जिथे लागू असेल तेथे): हे बुरशीनाशक आहे. त्यामुळे मातीशी फारसा संबंध नसतो.

फवारणीसाठी लागवडीची पीक अवस्था: रोगाची पहिली लक्षणे दिसण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक वापर.

फवारणीचे तंत्र: उत्पादनावर उच्च व कमी प्रमाण असलेल्या स्प्रेअरने फवारणी करता येते. संपूर्ण पिकांची व्यापी सुनिश्चित करण्यासाठी पुरेशा प्रमाणात पाण्याचा वापर करून पोकळ कोन असलेल्या नॉझलने सुराव्ह. मॅन्युअल आणि ट्रॅक्टरवर बसवलेल्या स्प्रेअरद्वारे हे फवारणे जास्त शक्यते.

उपकरणाचा प्रकार: छिड़काव उच्च तथा कम वॉल्यूम वाले स्प्रेयर्स, मैन्युअल तथा ट्रैक्टर पर लगे स्प्रेयर गैन।

नॉझल प्रकार: होली कोन नोजल

डोस: कृपया टेबलमधल ऑप्टडोसी संदर्भ घ्या.

मिश्रण करण्याची सूचना: कृपया "वापराची पद्धत" पहा.

पुन्हा प्रवेश कालावधी: २४ तास

फवारणी करण्याची पद्धत व वेळ: रोगाची पहिली लक्षणे दिसण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक फवारणी.

फवारणी करण्याची वेळ: उत्पादन रोगप्रतिबंधक म्हणून लागू केले जाऊ शकते. शक्यतो सकाळ-संध्याकाळ फवारणी करावी.

वारंवारता: रोगाच्या तीव्रतेनुसार २-३ फवारण्या.

असे टप्पे ज्यात कोणत्याही पिकावर कीटकनाशके वापरू नयेत: पीक परिपक्वतेच्या वेळी व पीक काढणीपूर्वी कीटकनाशके वापरू नयेत.

मधमाश्या किंवा इतर लाभदायक जंतुंचे असे कीटक आणि इतरांपासून नुकसान न व्हावे ते मार्ग: १. माशांसाठी अत्यंत विषारी. त्यामुळे मत्स्यशेतीजवळ याचा वापर करू नये. २. मेरी?? मधमाशांसाठी. त्यामुळे मधमाश्यांच्या सक्रिय चारा घेण्याच्या काळात वापर करू नये.

विषाची लक्षणे: सुरुवातीची लक्षणे मळमळ उलट्यांचे कोणतेही संयोजन असू शकतात. डोळ्यांची आणि त्वचेची जळजळ होऊ शकते.

प्रथमोपचार: त्वचेच्या संपर्कात आल्यास, दूषित कपडे तात्काळ काढून टाका. दूषित त्वचा साबाणने आणि पाण्याने पूर्णपणे धुवा. श्वास घेतल्यास, रुग्णाला शांत ठेवा, ताजी हवेत काढा. डोळ्यांच्या संपर्कात आल्यास, बाधित डोळे वाहत्या पाण्यान धुवा, कमीत कमी १५ मिनिटे उघडा, जर गिळले असेल तर लगेच तोंड स्वच्छ धुवा आणि नंतर भरपूर पाणी प्या. वैद्यकीय सल्ला घ्या.

विषनाशक उपाय: त्यां विशेष थेरेप्टस विषनाशक नाही. दर्दाने लक्षणे अनुसार सारवार आपो.

स्टोरेज अटी: १) बुरशीनाशक असलेली पॅकेजेस इतर वस्तूपासून, खास करोने खाद्यपदार्थांना स्टोरेज ३म अथवा परिसरांपासून दूर अलग ३मभां राण्यव ठेवाव्हे. २) बुरशीनाशक साठवण्यासाठी असलेल्या खोल्या किंवा परिसर चांगल्या प्रकारे बांधलेले, चांगल्या प्रकाशमान व हवेशीर आणि बाष्पाने दूषित होऊ नये म्हणून पुरेशा प्रमाणात आकारात असावेत.

वापरकर्त्यांसाठी खबरदारी: १) द्रावण तयार करताना गळती किंवा स्प्लॅशेसपासून आत श्वास घेणे टाळा आणि त्वचेशी संपर्क टाळा, उघड्या हातांनी मिसळू नका. २) वापरकर्त्याने स्वरूपे हातमोजे, बूट, मास्क आणि रबर रैन्ग किंवा टोपी यासह संपूर्ण संरक्षणात्मक कपडे घालावेत.३) खाद्यपदार्थ, रिकाम खाद्यपदार्थांचे डबे आणि जनावरांच्या अन्नापासून दूर रेवा.

रिलाग्या उव्यांची विल्हेपाट: १) पॅकेजेस किंवा अतिरिक्त साहित्य आणि मशीन व कंटेनरची वॉशिंग सुरक्षित पद्धतीने विल्हेवाट लावावी जेणेकरून पर्यावरण आणि जल प्रदूषित होणार नाही. २) वापरलेले पॅकेज त्यांचा पुन्हा वापर टाळण्यासाठी उघड्यावर सोडले जाऊ नये. ३) पॅकेजेस ताडून लोकवस्तीपासून दूर जमिनीखाली गाडून टाका.

रासायनिक संरचना

क्रमांक	घटक	वर्णन	वजन
१	पायरक्लोस्ट्रोबिन : सक्रिय घटक		२०.००% व/व
२	अवक्षेपित सिलिकिक ॲसिड		२०.६०% व/व
३	अमोनियम सल्फेट		२०.००% व/व
४	सोडियम लिग्नोसल्फोनेट		१८.००% व/व
५	फॉर्मलडिहाईड सोबतचे नाफथालीन सल्फोनिक ॲसिडचा संघनन उत्पादनाचे सोडियम सॉल्ट		११.००% व/व
६	सोडियम आलिकिलकार्बोक्सिलेट आणि सोडियम आलिकिलनाफथालीन सल्फोनेट चे मिश्रण		०.२०% व/व
७	सोडियम सॉल्ट : टेलो वेटी ॲसिड		०.५०% व/व
८	ॲल्युमिनियम सिलिकेट : काओलिन		पुरेसे प्रमाण % व/व
		एकूण :	१००.००% व/व

भलावेचीलाई निर्देश: १. लेबलवर आणि पत्रिकांमधे पत्र निर्देश केलेल्या व्यतिरिक्त इतर कोणत्याही कारणासाठी वापरू नये. २. पत्रकांमधे सांगितल्याप्रमाणे कंटेनर वापरल्यानंतर नष्ट करा.

"वापरी टाकेल्या हालीची पेथ्यांचेन उडवायुं अतलमाड हे."

उत्पादक आणि पेक्टा : **घरडा केमिकल्स लिमिटेड**
सीधाडीकृत कार्यालय: ४८, हिल रोड, बांद्रा (प), मुंबई - ४०० ०५०.
फेक्टरी: इन्डस्ट्रियल ग्रोथ सेन्टर, झेड-२, साम्बा (जम्मू- काश्मिर)-१८४१२१.

निशाना

पायरक्लोस्ट्रोबिन २०% डब्ल्यूजी. (ऊँलीनाशक)

हिमसेमाल करण डों पधिलें पक्ले दुँ पढ़ लहें।

पायरक्लोस्ट्रोबिन २०% ड्ब्लयुजी हिव ब्रुरुड़ी धीवाड़ाची उष्मायोत अँथ्रक्स, सोयाबीनच्या पानवर बैडल्या ऊँलीनाळाव दै ने टमाटर हिन्ट लाल ठाळाहीट रोग, ड्रॉइ ही ॲप्ट ने चाँडे ने पाडे (सरकोस्पोरा) आणि मेडिल्ल्यॉटीन हिन्ट अल्टरनेरीआ पाडे ही पानचट्टा, कापस हिन्ट ब्लाइटचेरा पाडे ने टर्सि ही ब्लाइट, मकाडीना पाडमां टर्सीकम लीफ ब्लाइट, भाडुडीमाचा टिक्का रोग, मिरचीवरील ढाताई रोग आणि केळीच्या पानांवरचा पानचट्टा रोग नियंत्रित करण्यासाठी वापरले जाणारे अतिशय प्रभावी बुरशीनाशक ऊंहे.

भलामडा:

पाक	जंतुनं सामान्य नाम	डोज प्रति हेक्टर सक्रिय पदार्थ (ग्राम)	डोज प्रति हेक्टर फॉर्मुलेशन (ग्राम)	पाडीमां मेळवा (लिटर)	अंतिम फवारणी आणि पीकाच्या काढणीत (दिवस)	एका प्रवेशाची सलामती प्रत्येक फवारणी नंतर (तास)
डेडाय	सिगाटोका पाडदाग डाग	१५०	७५०	१००	१०३	-
मरचूं	सेन्थ्राक्नोज	१००	५००	५००	३	-
मकाई	टर्सीकम पाडदाग अंगमारी	१००	५००	५००	४०	-
कपासी	आल्टरनेरिया पाडदाग अंगमारी	१००	५००	५००	१४	-
मगडाळी	टिक्का रोग	१००	५००	५००	२९	-
सोयाबिन	(

நிஷானா

பைரக்லோஸட்ரொபின் 20% WG (புழுசைக்கொல்லி)

உபயோகிப்பதற்கு முன்பு கீழ் கண்டதை படிக்கவும்

பைரக்லோஸட்ரொபின் 20% WG எனபது தக்காளி, தானியம் கை இவைகளுக்கான நோய் (நோமோஸோரா) மற்றும் நோபாஸிலிய ஆப்பரேஸியா இலை புள்ளி நோய், பாதரசில்லை ஆய்ப் (சோயா இலை) நோய் மேலும் (நோமோஸோரா) மற்றும் (நோபாஸிலிய) இலை அழுகி, நிலக்கடலையில் (நல்ல) நோய்களுக்கு எதிராக பயன்படுத்தக் கூடியது. தாவரங்களின் ஆரோக்கியம் மற்றும் பாதுகாப்பின் செயல்கள் இலை புள்ளி மேல் ஆக்ஸிஸ்ரோபின் ஆக்ஸிஸ்ரோபின் இலையுள்ள நோய்களுக்கெதிராக பயன்படுத்தப்படுகிறது மிகவும் பயனுள்ள பயிரை பாதுகாக்க ஒரு மட்டு மேலுமுள்ள ஆழமான பெர்மஸ்ஸ் ஒரு ஆக்ஸிஸ்ரோபின் ஒரு ஆக்ஸிஸ்ரோபின் ஒரு ஆக்ஸிஸ்ரோபின